कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

वर्ष:66 अंक-3 मुम्बई फरवरी 2022

" गांधीजी स्वदेशी की शक्ति को जानते थे, इसलिए उन्होंने हमेशा स्वदेशी अपनाने की अपील की। मिट्टी के कुल्हड़ों से बना उनका भित्ति चित्र साबरमती रिवरफ्रंट पर समर्पित किया गया। गांधी जी की यह तस्वीर हमें हमेशा अपनी धरती से जुड़े रहने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करेगी। "

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

कामये दुरवतप्रानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्।।

जागृति

वर्ष:66 अंक-2 मुम्बई जनवरी 2022

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

इस अंक में.....

समाचार सार 03-23

केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर 2975 कुल्हड़ों से बने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विशाल भित्ति चित्र का अनावरण किया.....3

केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे तथा राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने वर्ल्ड एक्सपो, 2020 दुबई में एमएमएमई मंडप का उद्घाटन किया और खादी इंडिया फिल्म लॉन्च की.....5

लोंगेवाला में सेना दिवस के अवसर पर खादी स्मारक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया.....6

अब काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालु पहनेंगे "खादी हस्तनिर्मित कागज की चप्पल.....7

केवीआईसी ने किसानों और मधुमक्खी पालकों की सहायता के लिए नवोन्मेषी "मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन" की शुरुआत की.....8

केवीआईसी ने मुख्यालय मुंबई में 73वां गणतंत्र दिवस मनाया.....10

विविध

माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री का वाराणसी दौरा.....13

जागरूकता शिविर का आयोजन.....13

वाराणसी में आयोजित राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी.....14

वाशी में आयोजित पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर.....14

चंगनाचेरी में ग्रामोद्योग पर जागरूकता शिविर.....14

सफलता की कहानियां

कभी हार मत मानो'-पीएमईजीपी योजना ने मेरे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.....15

ड्रेस मेकिंग के प्रति जुनून ही मुझे अलग पहचान दिलाता है.....15

मीडिया कवरेज.....24-29

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
शेखर पुनवटकर
दिलीप पालकर
उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर 2975 कुल्हड़ों से बने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विशाल भित्ति चित्र का अनावरण किया

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने 30 जनवरी, 2022 को गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कुल्हड़ों से बने एक विशाल भित्ति चित्र का अनावरण किया। श्री अमित शाह ने प्रशिक्षित कुम्हारों और मधुमक्खी पालकों को क्रमशः 200 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 400 बी-बॉक्स भी वितरित किए।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 74वें शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा ये भित्ति चित्र तैयार किया गया है। 2975 लाल रंग की ग्लेज्ड मिट्टी के कुल्हड़ों से दीवार पर बना100 वर्ग मीटर का भित्ति चित्र भारत में अपनी तरह का केवल दूसरा और गुजरात में पहला है। स्मारक भित्ति चित्र देशभर से एकत्र की गई मिट्टी से बनाया गया है और इसमें इस्तेमाल किए गए कुल्हड़ केवीआईसी द्वारा "कुम्हार सशक्तिकरण योजना" के तहत प्रशिक्षित 75 कुम्हारों द्वारा बनाए गए हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल एवं आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज 30 जनवरी बापू का भी स्मृति दिन है, इसीलिए 30 जनवरी को 1857 से लेकर 1947 तक आज़ादी के आंदोलन में जिन लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उनकी स्मृति में पूरा राष्ट्र आज शहीद दिवस मनाता है। आज के दिन ही साबरमती के जिस तट पर बापू ने आज़ादी के आंदोलन का आयोजन किया, उसी तट से आज उनके दिए आत्मनिर्भरता के मंत्र को साकार करते हुए मिट्टी के कुल्हड़ों से तैयार भित्ति चित्र के उदघाटन का कार्यक्रम आयोजित हुआ है और बापू को इससे बड़ी श्रद्धांजलि नहीं हो सकती।

श्री शाह ने कहा कि इस स्मृति दिन पर इस श्रद्धांजलि का एक और भी महत्व है कि यह वर्ष हमारी आज़ादी के अमृत

सामने एक विचार रखा है कि हम आज आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और जब आज़ादी के 100 साल होंगे, तब हर क्षेत्र में भारत कहां होगा, उसका लक्ष्य तय करना है और उसका संकल्प लेना है। 25 साल बाद आज़ादी के 100 साल पूरे होने पर आर्थिक, रोजगार, शिक्षा के क्षेत्रों में कौन-कौन से लक्ष्य सिद्ध करने हैं।

महोत्सव का वर्ष है। देश की आज़ादी का 75वां साल है और 75वें साल को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अत्यंत उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के पीछे दो उद्देश्य हैं- पहला, नई पीढ़ी, जो भविष्य के भारत की रचना करेगी, उन्हें आज़ादी के समग्र संग्राम – 1857 से 1947 तक की लड़ाई के हर संघर्ष के महत्व के बारे में बताया जाए और आज़ादी के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया और अपार यातनाएं झेली, उनके संघर्ष की जानकारी भी नई पीढ़ी तक पहुंचा कर राष्ट्र के पुनर्निर्माण का एक संकल्प नई पीढ़ी के मन में जागृत किया जाए।

दूसरा उद्देश्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के

माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में स्वरोजगार और स्थायी आजीविका साधन तैयार करने में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों को सराहा। लेह-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, केवीआईसी के फोकस क्षेत्र हैं जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे तथा राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने वर्ल्ड एक्सपो, 2020 दुबई में एमएमएमई मंडप का उद्घाटन किया और खादी इंडिया फिल्म लॉन्च की

नई दिल्ली. 17 जनवरी, 2022 : केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे तथा केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने वर्चुअल रूप से एमएसएमई के सचिव श्री बी.बी. स्वैन तथा केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना के साथ वर्ल्ड एक्सपो, 2020 दुबई में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दुबई सरकार के अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

ब्यूरो इंटरनेशनल डी एक्सपोज़िशन (बीआईई) के अंतर्गत वर्ल्ड एक्सपो, 2020 दुबई का उद्देश्य प्रदर्शनी में विश्व के लाखों लोगों को एक साथ लाना तथा 'कनेक्टिंग माइंड्स, क्रिएटिंग फ्यूचर' थीम के साथ मानवीय प्रतिभा और उपलब्धि का उत्सव मनाना है। एक्सपो में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की भागीदारी से भारत में एमएसएमई इकोसिस्टम के बारे में समझदारी विकसित करना तथा विभिन्न देशों, व्यावसायिक और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ आपसी संवाद विकसित करना है। जिससे विश्वभर में अपनाये जाने वाले श्रेष्ठ व्यवहारों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी।

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री ने केवीआईसी द्वारा निर्मित खादी इंडिया फिल्म भी लॉन्च की। अपने उद्घाटन भाषण में श्री राणे ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन करने और मैन्युफैक्चरिंग आधार को बढ़ाने के संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज एमएसएमई की 6 करोड़ से अधिक इकाइयों में 11 करोड़ से ज्यादा लोग रोजगार रत हैं और यह क्षेत्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। जीडीपी में इस क्षेत्र का योगदान 30 प्रतिशत से अधिक और भारत से समग्र निर्यात में इसका योगदान 48 प्रतिशत से अधिक है। मंत्रालय का फोकस निर्यात, उत्पाद गुणवत्ता, जीडीपी में योगदान के संदर्भ में नई ऊंचाईयों पर ले जाकर एमएसएमई के लिए नए मानक स्थापित करना तथा भारत में काम कर रही सभी एमएसएमई इकाइयों के लिए विश्व स्तरीय संरचना

और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी प्रदान करने पर है।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि मंत्रालय एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है तथा वित्त सहायता, क्षमता सृजन तथा कौशल प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज़ में सहायता, टेक्नोलॉजी उन्नयन जैसी पहलों में अत्यधिक सक्रिय है ताकि देश में समग्र रूप से एमएसएमई क्षेत्र का समावेशी विकास हो सके।

लोंगेवाला में सेना दिवस के अवसर पर खादी स्मारक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो खादी के कपड़े से बना दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज है, को 15 जनवरी, 2022 को "सेना दिवस" मनाने के लिए जैसलमेर के लोंगेवाला में भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया।

लोंगेवाला, में प्रदर्शित स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक लड़ाई का केंद्र चरण था।

2 अक्टूबर 2021 को लेह में इसके अनावरण के बाद से यह राष्ट्रीय ध्वज का 5वां सार्वजनिक प्रदर्शन था। इसके बाद 8 अक्टूबर 2021 को वायु सेना दिवस के अवसर पर हिंडन एयरबेस पर और 21 अक्टूबर 2021 को लाल किले में प्रदर्शित किया गया, जिस दिन भारत में 100 करोड़ कोविड टीकाकरण पूरा किया गया। 4 दिसंबर 2021 को, नौसेना दिवस मनाने के लिए मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास नौसेना डॉकयार्ड में स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया गया था।

यह स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज, जो भारतीयता की सामूहिक भावना और खादी के विरासत शिल्पकला का प्रतीक है, को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा स्वतंत्रता के 75 साल के 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए तैयार किया गया है। केवीआईसी ने ऐतिहासिक अवसरों पर प्रमुख स्थानों पर इसे प्रदर्शित करने के लिए रक्षा बलों को ध्वज सौंप दिया है।

स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा और (लगभग) 1400 किलोग्राम वजन का है। इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे। स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से खादी कारीगरों और संबद्ध श्रमिकों के लिए लगभग 3500 मानव घंटे का अतिरिक्त कार्य हुआ है। झंडे को बनाने में 4500 मीटर हाथ से काते हुए, हाथ से बुने हुए खादी कॉटन बंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, जो 33, 750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है।

अब काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालु पहनेंगे "खादी हस्तनिर्मित कागज की चप्पल"

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और मंदिर के सैकड़ों कर्मचारियों को अब नंगे पांव मंदिर परिसर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं है।

14 जनवरी, 2022 से खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने श्रद्धालुओं और कर्मचारियों के उपयोग के लिए खादी हस्तनिर्मित कागज से बनी "यूज एंड थ्रो" चप्पलों की बिक्री शुरू की है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की पार्किंग में स्थित खादी बिक्री आउटलेट के माध्यम से खादी हस्तनिर्मित कागज की चप्पलों की बिक्री की है। हस्तनिर्मित कागज की चप्पलों को 50 रुपये प्रति जोड़ी की मामूली कीमत पर खरीदा जा सकता है। चप्पलों की बिक्री वाराणसी में पंजीकृत खादी संस्था, काशी हस्तकला प्रतिष्ठान द्वारा की जा रही है। हस्तनिर्मित कागज की चप्पलों की निर्माण इकाई का उद्घाटन मकर संक्रांति के दिन यानी 14 जनवरी, 2022 को काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत किया गया।

यह घटनाक्रम तब सामने आया जब प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर के कर्मचारियों के लिए जूट से बनी चप्पलें भेजीं। प्रधानमंत्री को पता चला कि मंदिर में काम करने वाले अधिकतर लोग नंगे पांव ही अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। मंदिर परिसर में चमड़े या रबर से बने जूते पहनकर जाना वर्जित है। मंदिर के पुजारियों, सुरक्षा गार्डों, सफाई कर्मियों और सेवा में लगे लोगों सहित पूरे कार्यबल को इस नियम का पालन करना पड़ता है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि हस्तनिर्मित कागज से बने हुए "यूज एंड थ्रो" चप्पलों का उपयोग न केवल मंदिर की पवित्रता को कायम रखेगा बल्कि कष्टप्रद मौसम के दौरान श्रद्धालुओं को गर्मी और ठंड से भी बचाएगा। साथ ही इन चप्पलों से किसी भी प्रकार के प्रदूषण से बचाव होगा क्योंकि ये प्राकृतिक रेशों से बनी हुई हैं। श्री सक्सेना ने कहा "ये हस्तनिर्मित कागज की चप्पलें मंदिर की पवित्रता को बनाए रखेंगी। ये चप्पल पूर्ण रूप से इको फ्रेंडली सामग्री से बनी हुई हैं। मंदिर परिसर में इन चप्पलों का इस्तेमाल करने से खादी कारीगरों के लिए रोजगार के दीर्घकालिक अवसर भी उत्पन्न होंगे। केवीआईसी द्वारा 14 जनवरी से इन चप्पलों की बिक्री शुरू की गयी है।"

गौरतलब है कि खादी के हस्तनिर्मित कागज से बनी "यूज एंड थ्रो" चप्पलों को भारत में पहली बार विकसित किया गया है। ये हस्तनिर्मित कागज की चप्पलें शत प्रतिशत पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी हैं। इन चप्पलों को बनाने में उपयोग किया जाने वाला हस्तनिर्मित कागज पूरी तरह से लकड़ी से मुक्त होता है और कपास तथा रेशम के चिथड़े और कृषि अपशिष्ट जैसे प्राकृतिक रेशों से बना हुआ होता है और इसलिए यह पूजा स्थलों में उपयोग के लिए उपयुक्त है। यह स्वच्छता के दृष्टिकोण से भी बहुत ही प्रभावी है। इन चप्पलों को केवीआईसी ने हस्तनिर्मित कागज उद्योग को समर्थन प्रदान करने और कारीगरों के लिए रोजगार के दीर्घकालिक अवसर उत्पन्न करने के उद्देश्य से विकसित किया है।

केवीआईसी ने किसानों और मधुमक्खी पालकों की सहायता के लिए नवोन्मेषी "मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन" की शुरुआत की

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 7 जनवरी, 2022 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के सिरोरा गांव में देश की पहली मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन लांच की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री नंद किशोर गुज्जर तथा केवीआईसी के सदस्य (मध्य क्षेत्र) श्री जय प्रकाश गुप्ता भी उपस्थित थे।

इस मोबाइल वैन के डिजाइन स्वरुप को 15 लाख रूपये की लागत से केवीआईसी ने अपने बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, पंजोखेड़ा में आंतरिक रूप दिया है। यह मोबाइल हनी प्रोसेसिंग यूनिट 8 घटों में 300 किग्रा तक शहद का प्रसंस्करण कर सकती है। यह वैन जांच प्रयोगशाला से भी सुसज्जित है जो तत्काल शहद की गुणवत्ता की जांच कर सकती है।

मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन केवीआईसी शहद मिशन के तहत एक बड़ी उपलब्धि है जिसका उद्देश्य मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षण देना, किसानों को मधुमक्खी के बक्से वितरित करना तथा गांवों के शिक्षित और बेरोजगार युवकों को मधुमक्खी पालन गतिविधियों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने में सहायता करना है। शहद उत्पादन के जरिये प्रधानमंत्री के " मीठी क्रांति" के विजन को दृष्टि में रखते हुए, केवीआईसी ने मधुमक्खी पालकों तथा किसानों को उनकी शहद की ऊपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए यह अनूठा नवोन्मेषण प्रस्तुत किया है। मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि यह मधुमक्खी पालकों के शहद का प्रसंस्करण उनके द्वार पर ही करेगी और इस प्रकार प्रसंस्करण के लिए शहद को दूर के शहरों में स्थित प्रसंस्करण केंद्रों तक ले जाने में होने वाली परेशानी तथा लागत की बचत करेगी। जहां यह मधुमक्खी पालन को

छोटे मधुमक्खी पालकों के लिए अधिक लाभदायक बनाएगी, वहीं शहद की शुद्धता तथा सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों का रखरखाव भी करेगी।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री वी. के. सक्सेना ने कहा कि हनी मिशन का उद्देश्य देश में शहद का उत्पादन बढ़ाना और किसानों तथा मधुमक्खी पालकों की आय में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि यह नवोन्मेषी मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन कई प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करेगी। मधुमक्खी पालकों के लिए शहद निकालने तथा प्रसंस्करण की लागत में कमी लाने के अतिरिक्त, यह शहद में किसी भी प्रकार की मिलावट की आशंका को समाप्त कर देगी क्योंकि प्रसंस्करण मधुमक्खी पालकों एवं किसानों के दरवाजों पर ही किया जाएगा। यह शहद प्रसंस्करण यूनिट उन छोटे किसानों एवं मधुमक्खी पालकों के लिए एक वरदान साबित होगी जिन्हें अपने शहद को प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग के लिए अन्य

यह भी उल्लेखनीय है कि हनी मिशन के तहत, केवीआईसी ने अभी तक देश भर में लगभग 1.60 लाख मधुमक्खी बक्सों का वितरण किया है और 40,000 से अधिक रोजगारों का सृजन किया है। केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र में ही जहां वनस्पतियों की प्रचुरता है, केवीआईसी ने किसानों तथा मधुमक्खी पालकों को लगभग 8000 मधुमक्खी बक्से वितरित किए हैं जिससे उनकी आय कई गुना बढ़ गई है और अंतःपरागण के जरिये फसल की ऊपज में बढोतरी हुई है।

शहरों में ले जाने पर अतिरिक्त लागत उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रायोगिक परियोजना के अनुभव के आधार पर, विशेष रूप से पूर्वोत्तर के राज्यों में ऐसी और मोबाइल हनी प्रोसेसिंग इकाइयां आरंभ की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि प्रसंस्करण संयंत्रों तक शहद को ले जाना छोटे किसानों तथा मधुमक्खी पालकों के लिए एक खर्चीला मामला है। उच्च परिवहन लागत तथा प्रसंस्करण के खर्च से बचने के लिए, अधिकांश मधुमक्खी पालक अपने कच्चे शहद को अपने फार्म पर ही बहुत कम कीमत पर एजेटों को बेच देते थे। इसके परिणामस्वरूप, ये मधुमक्खी पालक मधुमक्खी पालन के वास्तविक मौद्रक लाभों को अर्जित करने में सक्षम नहीं हो पाते थे। इस मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब तथा राजस्थान जैसे राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मोबाइल हनी प्रोसेसिंग वैन इन राज्यों की विभिन्न मधुवाटिकाओं में जाएंगी, जहां मधुमक्खी पालक अपने शहद को मामूली शुल्क पर प्रसंस्कृत कराने में सक्षम हो पाएंगे और वह भी उनके दरवाजों पर ही। इस शहद प्रसंस्करण इकाई में शहद की जांच करने के लिए एक प्रयोगशाला टेक्निशियन तथा एक तकनीकी सहायक भी उपलब्ध रहते हैं।

केवीआईसी ने मुख्यालय मुंबई में 73वां गणतंत्र दिवस मनाया

मुंबई, 26 जनवरी, 2022: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 73वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्तीय सलाहकार सुश्री आशिमा गुप्ता, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुश्री संघमित्र, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई. के. बारामतिकर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी ने संविधान के प्रति निष्ठा दिखाते हुए कार्यक्रम मे भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने भारत के संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय संविधान में नीति निर्देशक सिद्धांतों के प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित मौलिक अधिकारों के बारे बात करने के साथ ही उन्होंने

ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने और गांवों के उत्थान में केवीआईसी की भूमिका पर भी प्रकाश डाला । इसके अलावा, उन्होंने केवीआईसी को 3500 करोड़ रुपये की बिक्री हासिल करने के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि आयोग ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में पीएमईजीपी के तहत 2180 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी का संवितरण किया और वर्ष 2021-22 के लिए रुपये 2850 मार्जिन मनी के संवितरण का लक्ष्य रखा है। सुश्री वर्मा ने बताया कि हनी मिशन के तहत, केवीआईसी ने पूरे भारत में 1.50 लाख से अधिक मधुमक्खी बक्से वितरित किए गए । इनके साथ ही, उन्होंने स्वतन्त्रता के 75 वें वर्ष के अवसर पर चल रहे ' आज़ादी के अमृत महोत्सव' के तहत खादी क्विज और फैशन ऑफ एक्सीलेंस हेतु खादी फैशन शो आयोजित करने के लिए खादी इंडिया की प्रशंसा की। उन्होंने विभिन्न ग्रामोद्योगों जैसे कुम्हारी, शहद और अन्य ग्रामीण उद्योगों में अनुसंधान एवं विकास के लिए केवीआईसी के साथ सीएसआईआर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बारे में बताया, जिसमें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस हेतु 5 केंद्रों के साथ करार किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कुमारप्पा हाथकागज संस्थान के द्वारा विकसित प्राकृतिक पेंट के अनुसंधान को केवीआईसी की सफलता के साथ जोड़ा, जिसे पूरे देश में व्यापक रूप से सराहा गया। अंत में, उन्होंने बीएमसी, मुंबई के स्वच्छ भारत अभियान के तहत 'सरकारी श्रेणी' में खादी और ग्रामोद्योग आयोग को दिये गये प्रथम पुरस्कार के लिए आयोग सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को दोहराते हुए- केवीआईसी, ग्रामीण भारत की पूरी क्षमता का एहसास करने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है।

केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोविड 19 महामारी पर सुरक्षा के लिए एमएचए द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया।

इस अवसर केवीआईसी के प्रचार निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय दर्शकों के लिए तैयार की गई एवं माननीय एमएसएमई मंत्री द्वारा उद्घाटित खादी पर बनी एक फिल्म भी दिखाई गई।

केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने राजकोट में आत्मया विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में 1328 स्नातकों को संबोधित किया।

उन्होंने छात्रों से अपनी औपचारिक शिक्षा को प्रासंगिक बनाने और मानव जाति के अच्छाई के लिए इसका उपयोग करने का आग्रह किया।

विविध

माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री का वाराणसी दौरा

माननीय केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने कयर प्रदर्शनी के उद्घाटन के लिए 6 जनवरी, 2022 को वाराणसी का दो दिवसीय दौरा किया । आयोग के मंडलीय कार्यालय, वाराणसी के निदेशक प्रभारी ने वाराणसी हवाई अड्डे पर माननीय मंत्री स्वागत किया।

जागरूकता शिविर का आयोजन

दिनांक 05.01.2022 को आयोग ने जाम्पुई ब्लॉक, उत्तरी त्रिपुरा में ग्रामीणों को शामिल करते हुए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोग के निदेशक प्रभारी सहित अध्यक्ष- प्रखंड, बीडीओ-जम्पुई प्रखंड, डीआईसी के पदाधिकारी, जाम्पुई उपस्थित थे।

आयोग के मंडलीय कार्यालय, वाराणसी ने 06 जनवरी 2022 को हरिओम, आईटीआई, चंदौली में पीएमईजीपी योजना के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, गोरखपुर द्वारा 6 जनवरी, 2022 को ग्राम चौकोवा भिरिया, बस्ती जिले में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । केवीआईसी, केवीआईबी के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों को पीएमईजीपी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले, पीएमईजीपी पर एक और जागरूकता कार्यक्रम 4 जनवरी, 2022 को जिले के खेसरहा में आयोजित किया गया था।

वाराणसी में आयोजित राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी

केवीआईसी के विभागीय कार्यालय, वाराणसी ने परेड ग्राउंड, प्रयागराज में पवित्र, माघ मेला के अवसर पर 17 जनवरी, 2022 से 5 फरवरी 2022 तक राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी का आयोजन किया। 15 राज्यों की खादी संस्थाओं और पीएमईजीपी इकाइयों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों के साथ इस प्रदर्शनी में भाग लिया। त्रिवेणी में पवित्र स्नान के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों ने ऊनी खादी उत्पादों को खरीदने में अपनी विशेष रुचि दिखाई।

वाशी में आयोजित पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर

पीएमईजीपी और अन्य खादी ग्रामोद्योगी कार्यक्रम पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन वाशी, नवी मुंबई में किया गया, यह कार्यक्रम श्री विजय मलिक, श्री प्रताप शिंदे के समन्वय से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयोग के राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र की कार्यकारी श्रीमती दिव्या श्रीवास्तव और सी.बी. कोरा प्रशिक्षण केंद्र के कार्यकारी श्री उमाकांत दोईफोडे ने पीएमईजीपी और अन्य खादी ग्रामोद्योगी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की।

चंगनाचेरी में ग्रामोद्योग पर जागरूकता शिविर

चांगनाचेरी में चास के सहयोग से केवीआईसी के राज्य कार्यालय, केरल द्वारा ग्रामोद्योग पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन आयोग के राज्य निदेशक, केरल श्री वी. राधाकृष्णन ने किया।

सफलता की कहानियां

'कभी हार मत मानो'

-पीएमईजीपी योजना ने मेरे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

- नरदीप सिंह

अपनी सफलता के बारे में बोलते हुए, गर्वित नरदीप सिंह ने कहा, "मैंने नौकरी के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन सफलता पाने में असफल रहा। थक-हार कर, मैंने जम्मू और कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, उधमपुर से संपर्क किया, जहां जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने मुझे पीएमईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी और मुझे एक उद्यमी बनने के लिए आश्वस्त किया। तब मैंने हाइड्रोलिक उपकरण इकाई के निर्माण के लिए 24.96 लाख रुपये की ऋण सहायता के लिए आवेदन किया।

मेरे आवेदन को अंततः डीएलटीएफसी (जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी) द्वारा अनुमोदित किया गया। जीवन में असफलताओं के बावजूद, मैंने अपने विवेक से कभी समझौता नहीं किया। मैंने एक जोखिम लिया और अंततः मुझे इसका फल मिला।

आज, मैं लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करता हूं।" वर्तमान में, नरदीप सिंह ने अपनी इकाई के माध्यम से इलाके के 25 से अधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया है।

ड्रेस मेकिंग के प्रति जुनून ही मुझे अलग पहचान दिलाता है - फरीदा अख्तर

31 वर्षीय फरीदा अख्तर, अन्ना बुटीक की मालकिन हैं, जिसमें वह 5 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रही हैं। अनंतनाग जिले (जम्मू और कश्मीर) के दूरू क्षेत्र में यह बुटीक निश्चित रूप से स्थानीया लागों विशेषकर युवाओं के लिए एक पथ प्रदर्शक है।

अपनी सफलता के बारे में बोलते हुए, फरीदा अख्तर ने कहा, "भले ही मैं एक उद्यमी बनकर बहुत खुश हूं, लेकिन यह मेरे लिए आसान काम नहीं था। मैंने कई वर्षों तक एक स्थानीय दर्जी के अधीन काम किया, जिसने मुझे ड्रेस मेकिंग की मूल बातें सिखाई। लेकिन, यह केवल पारंपरिक सिलाई थी।"

गर्व से भरी फरीदा ने बताती हैं कि ड्रेस मेकिंग के प्रति उनका जुनून ही उन्हें डिजाइनिंग से हटकर कुछ अलग सीखने के लिए प्रेरित करता है।

प्रेस कवरेज

The Indian EXPRESS

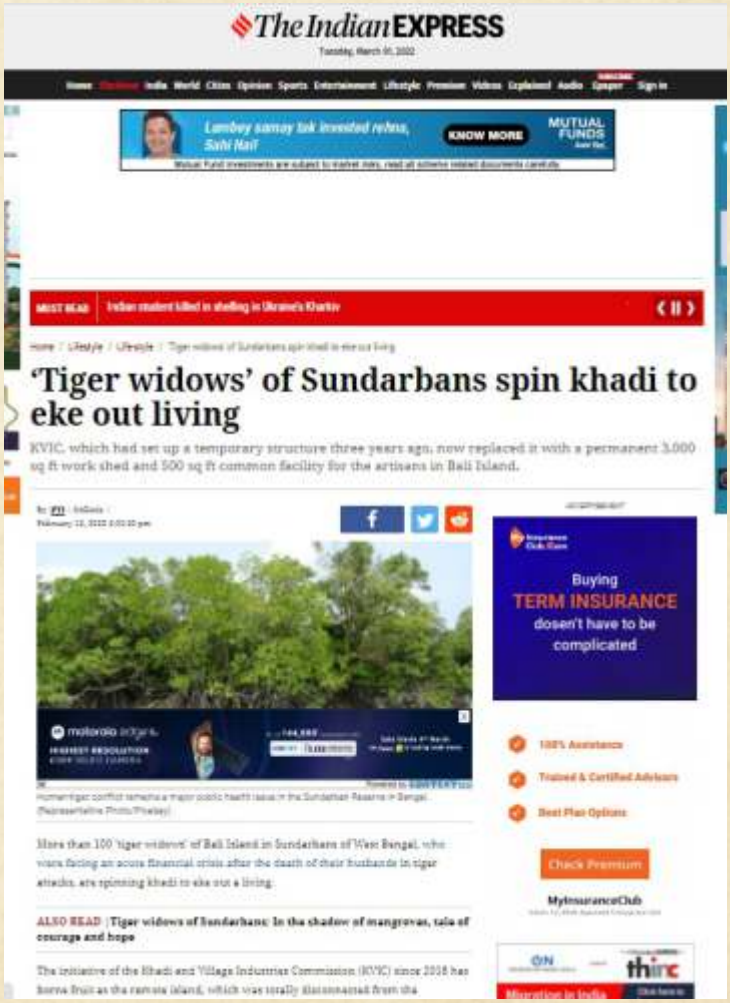

Home / Lifestyle / Lifestyle / Tiger widows of Sundarbans spin khadi to eke out living

'Tiger widows' of Sundarbans spin khadi to eke out living

KVIC, which had set up a temporary structure three years ago, now replaced it with a permanent 3,000 sq ft work shed and 500 sq ft common facility for the artisans in Bali Island.

By PTI | Kolkata | February 12, 2022

Human-tiger conflict remains a major public health issue in the Sundarban Reserve in Bengal. (Representative Photo/Pixabay)

More than 100 'tiger widows' of Bali Island in Sundarbans of West Bengal, who were facing an acute financial crisis after the death of their husbands in tiger attacks, are spinning khadi to eke out a living.

ALSO READ | Tiger widows of Sundarbans: In the shadow of mangroves, tale of courage and hope

The initiative of the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) since 2018 has borne fruit as the remote island, which was totally disconnected from the

Buying TERM INSURANCE doesn't have to be complicated
100% Assistance
Trained & Certified Advisors
Best Plan Options
Check Premium
MyInsuranceClub

the pioneer

Khadi's employment drive transforms lives of tiger-widows of Sunderban's Bali Island

It is a historic transformation of the sleepy tiger-infested Bali island in the dense mangrove thickets of Sunderbans. The island, which was totally disconnected from the mainstream of development since Independence, is now bustling with Khadi activities.

Over a hundred tiger widows (Bag Bidhoba in local parlance) in the Bali island who were engaged with spinning activity by Khadi and Village Industries Commission (KVIC) in 2018, can now boast of modern amenities, advanced equipment like charkhas and looms and marketing support to provide these women artisans with sustainable livelihood. To begin Khadi activities on the island, KVIC had set up a temporary structure three years ago, which has been converted into a permanent work shed now.

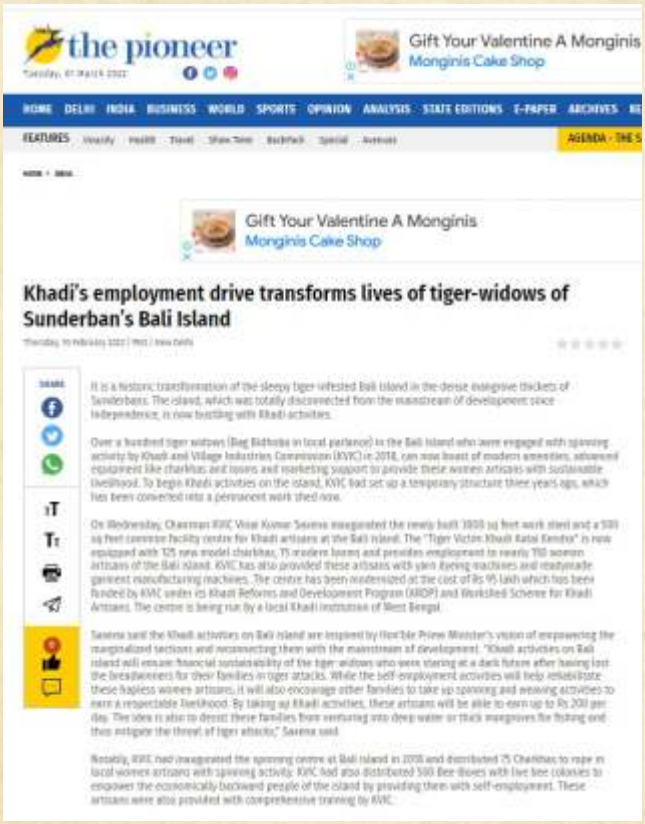

On Wednesday, Chairman KVIC Vinai Kumar Saxena inaugurated the newly built 3000 sq feet work shed and a 500 sq feet common facility centre for Khadi artisans at the Bali island. The "Tiger Victim Khadi Katai Kendra" is now equipped with 125 new model charkhas, 75 modern looms and provides employment to nearly 150 women artisans of the Bali island. KVIC has also provided these artisans with yarn dyeing machines and readymade garment manufacturing machines. The centre has been modernized at the cost of Rs 95 lakh which has been funded by KVIC under its Khadi Reforms and Development Program (KRDP) and Workshed Scheme for Khadi Artisans. The centre is being run by a local Khadi institution of West Bengal.

Saxena said the Khadi activities on Bali island are inspired by Hon'ble Prime Minister's vision of empowering the marginalized sections and reconnecting them with the mainstream of development. "Khadi activities on Bali island will ensure financial sustainability of the tiger widows who were staring at a dark future after having lost the breadwinners for their families in tiger attacks. While the self-employment activities will help rehabilitate these hapless women artisans, it will also encourage other families to take up spinning and weaving activities to earn a respectable livelihood. By taking up Khadi activities, these artisans will be able to earn up to Rs 200 per day. The idea is also to desist these families from venturing into deep water or thick mangroves for fishing and thus mitigate the threat of tiger attacks," Saxena said.

Notably, KVIC had inaugurated the spinning centre at Bali island in 2018 and distributed 75 Charkhas to rope in local women artisans with spinning activity. KVIC had also distributed 500 Bee-Boxes with live bee colonies to empower the economically backward people of the island by providing them with self-employment. These artisans were also provided with comprehensive training by KVIC.

ThePrint

'Tiger widows' of Sundarbans spin khadi to eke out living

Kolkata, Feb 11 (PTI) More than 100 'tiger widows' of Bali Island in Sundarbans of West Bengal, who were facing an acute financial crisis after the death of their husbands in tiger attacks, are spinning khadi to eke out a living.

The initiative of the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) since 2018 has borne fruit as the remote island, which was totally disconnected from the mainstream of development since Independence, now bustles with activity with the sound of spinning of power looms and charkha

Show Full Article

Subscribe to our channels on YouTube & Telegram

Why news media is in crisis & How you can fix it

SWARAJYA

NEWS BRIEF

Khadi Drive To Support 'Tiger Widows' Transforms Bally Island In Sundarbans

Snapshot

- Today, modern amenities, advanced equipment like charkhas and looms and marketing support are available for the women to help them achieve sustainable livelihood.

It is a historic transformation of the sleepy tiger-infested Bally island in the dense mangrove thickets of Sundarbans in West Bengal. The island, which was

प्रेस कवरेज

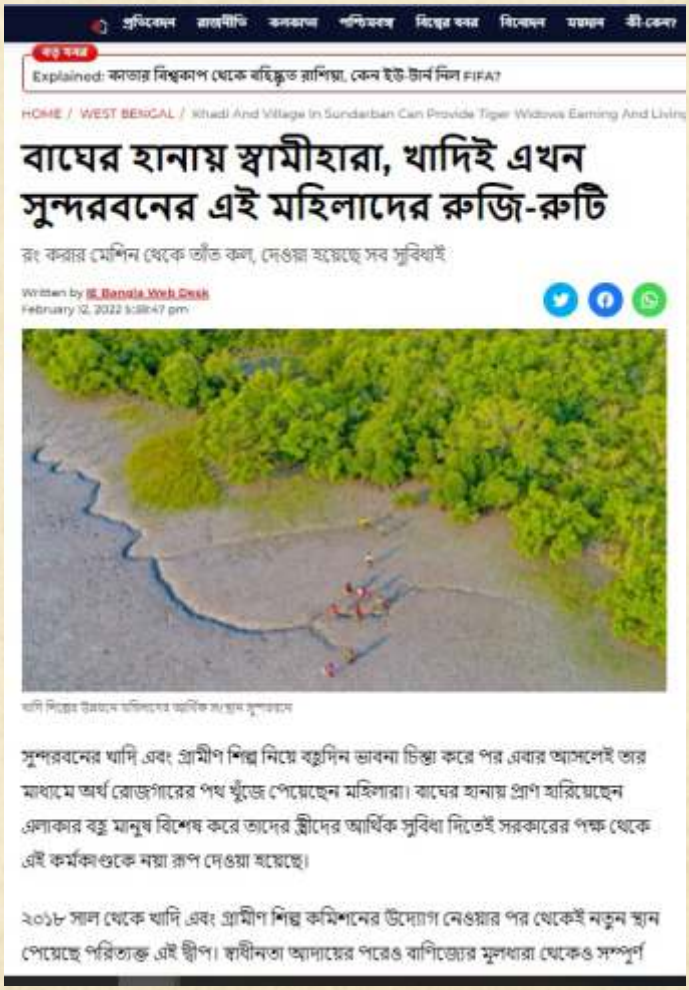

Explained: কাতার বিশ্বকাপ থেকে বহিষ্কৃত রাশিয়া, কেন ইউ-টার্ন নিল FIFA?

HOME / WEST BENGAL / Khadi And Village In Sundarban Can Provide Tiger Widows Earning And Living

বাঘের হানায় স্বামীহারা, খাদিই এখন সুন্দরবনের এই মহিলাদের রুজি-রুটি

রং করার মেশিন থেকে তাঁত কল, দেওয়া হয়েছে সব সুবিধাই

Written by IE Bangla Web Desk
February 12, 2022 5:38:47 pm

সুন্দরবনের খাদি এবং গ্রামীণ শিল্প নিয়ে বহুদিন ভাবনা চিন্তা করে পর এবার আসলেই তার মাধ্যমে অর্থ রোজগারের পথ খুঁজে পেয়েছেন মহিলারা। বাঘের হানায় প্রাণ হারিয়েছেন এলাকার বহু মানুষ বিশেষ করে তাদের স্ত্রীদের আর্থিক সুবিধা দিতেই সরকারের পক্ষ থেকে এই কর্মকাণ্ডকে নয়া রূপ দেওয়া হয়েছে।

২০১৮ সাল থেকে খাদি এবং গ্রামীণ শিল্প কমিশনের উদ্যোগ নেওয়ার পর থেকেই নতুন স্থান পেয়েছে পরিত্যক্ত এই দ্বীপ। স্বাধীনতা আদায়ের পরেও বাণিজ্যের মূলধারা থেকেও সম্পূর্ণ

उद्योग के लिए आईटीआई के छात्रों को मिलेगा ऋण

संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी के सेवापुरी गांधी आश्रम में बनेंगी कागज की चप्पलें

बाबा दरबार से रोजगार

रोजगार प्रदान करने एवं लोगों में आत्मनिर्भरता की भावना पैदा करने के सामाजिक उद्देश्य को लेकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वाराणसी में एक और कदम बढ़ाया है. काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में पूजन-अर्चन के समय दर्शनार्थियों, पुजारी, और सुरक्षाकर्मियों के पांवों को राहत मिल सके, इसके लिए हस्तनिर्मित कागज की चप्पलें बाजार में उतार दी गई हैं. ये चप्पल पूरी तरह से इको फ्रेंडली हैं. फिलहाल ये चप्पलें बाहर के राज्यों से मंगवाई गई हैं. लेकिन इसका निर्माण जल्द ही जिले के सेवापुरी गांधी आश्रम में करने की योजना है. इससे यहां के लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा. विभाग की ओर से चप्पलों के निर्माण के लिए जल्द ही कई लोगों को प्रशिक्षित करने की योजना है.

GOOD NEWS

पानी से बचाने पर कई दिन साथ देगी चप्पल

VARANASI (16 Jan):

काशी विश्वनाथ मंदिर में अब सुरक्षा कर्मचारी और पुजारी पहनेंगे जूट के जूते, पहले पहनते थे खड़ाऊं

खादी पेपर की चप्पल पहन मंदिर में जा सकेंगे श्रद्धालु

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

फेसबुक पर

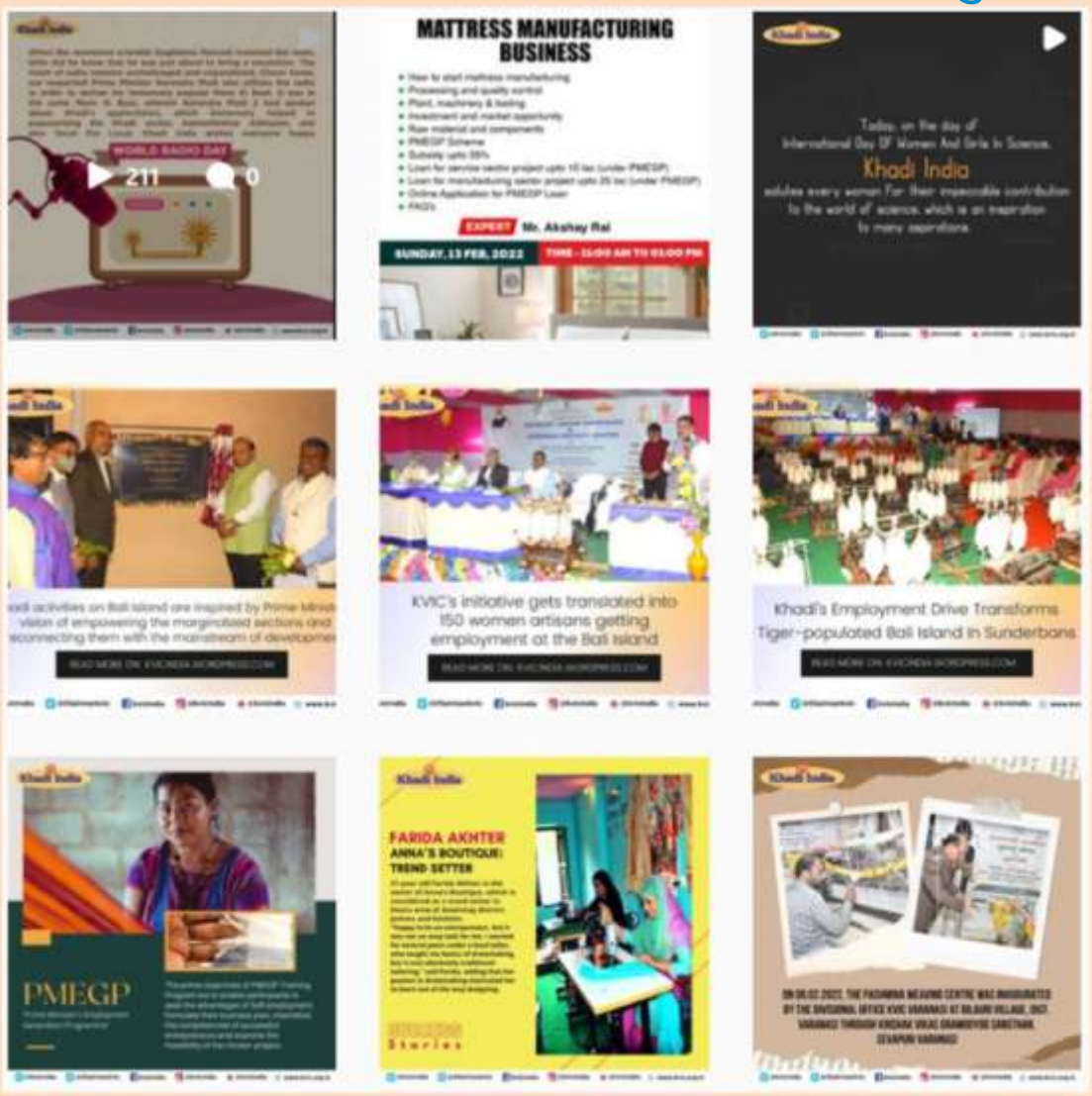

SPECIAL DAYS

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia